



सांस्कृतिक वरिसत

प्रस्तावति पर्यावरणीय और सामाजिक मानक 8 (ईएसएस 8)*

प्रस्तावति ईएसएस 8 कसि बारे में है?

सांस्कृतिक वरिसत अतीत और भविष्य के बीच एक मूल्यवान, अपूरणीय सामुदायिक संबंध है, और लोगों की पहचान और अभ्यास का एक अभिन्न अंग है। ठोस और अस्पृश्य सांस्कृतिक वरिसत आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए महत्वपूर्ण संपत्ति और मूल्यवान वैज्ञानिक और ऐतिहासिक जानकारी के स्रोत हैं। प्रस्तावति पर्यावरणीय और सामाजिक मानक 8 (ईएसएस8) 2009 की सुरक्षा नीतिविवेक (एसपीएस) आवश्यकताओं पर आधारित है और इसमें ठोस और अस्पृश्य सांस्कृतिक वरिसत दोनों को शामिल करने का दायरा बढ़ाया गया है, जिनमें परियोजना गतिविधियों के प्रतिकूल प्रभावों से बचाया जाना है और समान साझाकरण को बढ़ावा देना है। सांस्कृतिक वरिसत के उपयोग से, मानक सांस्कृतिक वरिसत की रक्षा करना चाहता है और सतत विकास के प्रवर्तक के रूप में इसके व्यापक उपयोग को प्रोत्साहित करता है।

* ईएसएस8 का पूरा पाठ सुरक्षा नीति समीक्षा: मसौदा नीति | एशियाई विकास बैंक (adb.org). <https://www.adb.org/who-we-are/safeguards/safeguard-policy-review/draft-policy> पर है। यह सूचना विवरणिका प्रस्तावति पर्यावरण और सामाजिक रूपरेखा (ईएसएफ) संबंधी परामर्श मसौदे के आधार पर केवल सूचनार्थ तैयार की गई थी। Q4 2023 में नरिधारित वरकगि पेपर के हिससे के रूप में प्रस्तावति पर्यावरणीय और सामाजिक रूपरेखा (ईएसएफ) के पूरण पाठ पर एडीबी नदिशक मंडल से मार्गदर्शन प्राप्त किया जाएगा। अंतमि ईएसएफ पर 2024 में एडीबी नदिशक मंडल द्वारा अनुमोदन के लिए विचार किया जाएगा।



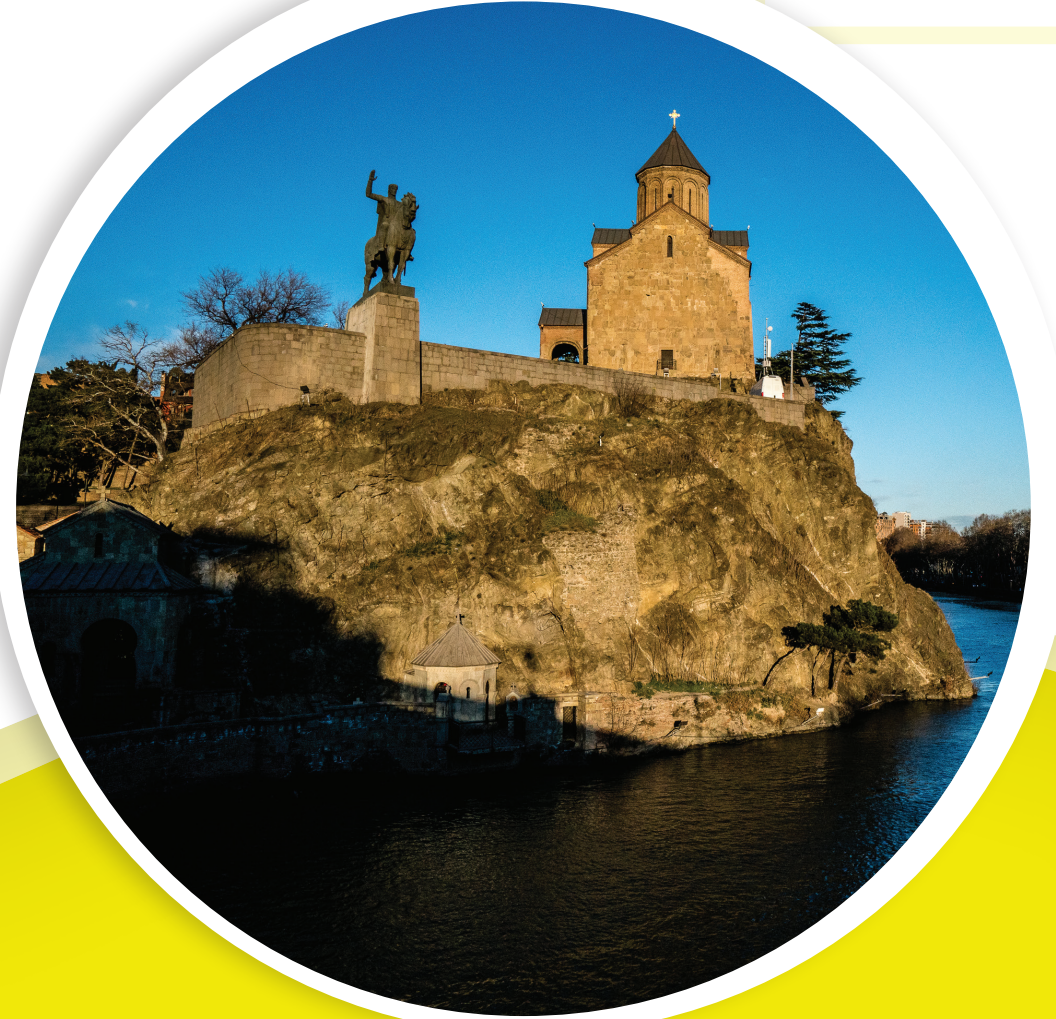
**SAFEGUARD
POLICY REVIEW
AND UPDATE**

ADB



इसके उद्देश्य हैं:

- सांस्कृतिक वरिसत को परियोजना गतविधियों के प्रतिकूल प्रभावों से बचाना, और इसके संरक्षण का समर्थन करना;
- सांस्कृतिक वरिसत संरक्षण को सतत विकास के एक अभिन्न पहलू के रूप में संबोधित करना;
- सांस्कृतिक वरिसत पर प्रतिकूल प्रभावों से बचने और उन्हें कम करने के लिए शमन पदानुक्रम लागू करें;
- सांस्कृतिक वरिसत के संबंध में हतिधारकों के साथ सार्थक परामर्श को बढ़ावा देना; और
- सांस्कृतिक वरिसत के उपयोग से होने वाले लाभों के समान बंटवारे को बढ़ावा देना।



नये और बेहतर नीति प्रावधान क्या हैं?

1



**अस्पृश्य
सांस्कृतिक
संसाधन और
दृश्य प्रभाव**

: प्रस्तावित मानक में ठोस और अस्पृश्य सांस्कृतिक वरिसत दोनों के प्रत्यक्ष और संचयी परियोजना वशिष्ट जोखिमों और प्रभावों को प्रबंधित करने की आवश्यकताएं शामिल हैं।

2



स्वदेशीजन

क्षेत्रों और सांस्कृतिक वरिसत की अतव्यापी उपस्थिति वाले क्षेत्रों के लिए अपेक्षाओं का उल्लेख है, जो पहले एसपीएस में शामिल नहीं थे। यदि आईपी क्षेत्रों में सांस्कृतिक वरिसत की पहचान की जाती है, तो ईएसएस 7 की अपेक्षा के अनुसार स्वतंत्र, पूरव और सूचित सहमति (एफपीआईसी) प्राप्त करना अपेक्षित हो सकता है।

3



**वभिन्न प्रकार
की सांस्कृतिक
वरिसत**

मौका खोजने की प्रक्रियाओं के लिए अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं, और पुरातात्विक स्थलों और सामग्री, पानी के नीचे की सांस्कृतिक वरिसत, दफन स्थलों और मानव अवशेषों, परदृश्य या प्राकृतिक संसाधनों, निर्मित स्थलों और चल सांस्कृतिक वरिसत जैसी वभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक वरिसतों के लिए वशिष्ट अपेक्षाओं का उल्लेख है।

4



हतिधारक सहभागिता

सांस्कृतिक वरिसत, उसके महत्व की पहचान करने, जोखमिों और प्रभावों का आकलन करने, बचाव, शमन और नगिरानी और रपौरूटगि वकिल्पों के तरीकों का पता लगाने के लिए सार्थक परामरूश करना।

